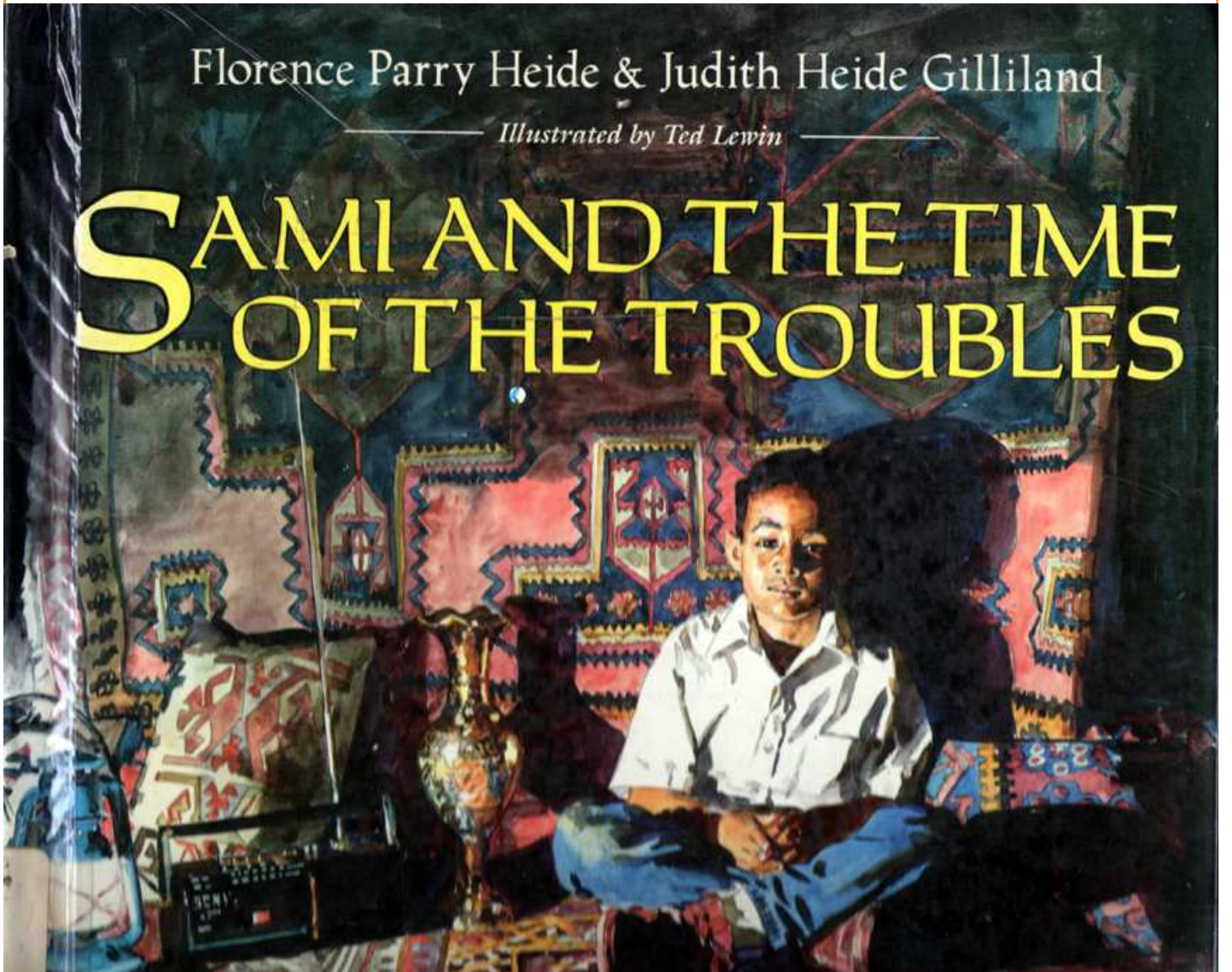


सामी और मुश्किलों से भरी घड़ी

फ्लोरेंस पैरी, जूडिथ गिलीलैंड, चित्र : टेड लेविन

हिंदी : विदूषक





SAMI AND THE TIME OF THE TROUBLES

Ten-year-old Sami lives with his family in Beirut, the capital of Lebanon. Until the middle of the twentieth century, Beirut was one of the most splendid cities in the world. Today it is a place of ruin and trouble. And it is Sami's home.

Sami and his little sister Leila are like children everywhere, but their lives are like those of too many other children who live in places where violence has become the accepted way of resolving differences. Always, there are memories of good times to hold on to when the troubles come. Always, there is hope that this time will be the last time.

Florence Parry Heide and Judith Heide Gilliland have spun a moving, poetic story of one family's determination to have a future amid civil chaos. Ted Lewin's vividly expressive watercolor paintings illuminate the strength of the human spirit in the face of the greatest tragedy of all—the failure of people to stop killing one another.

दस साल का सामी अपने परिवार के साथ बेरूत - लेबनान की राजधानी में रहता है। बीसवीं शताब्दी के मध्य तक बेरूत की गिनती दुनिया के सबसे शानदार शहरों में होती थी। आज बेरूत बड़ी मुश्किल में है और एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। वहीं सामी का घर है।

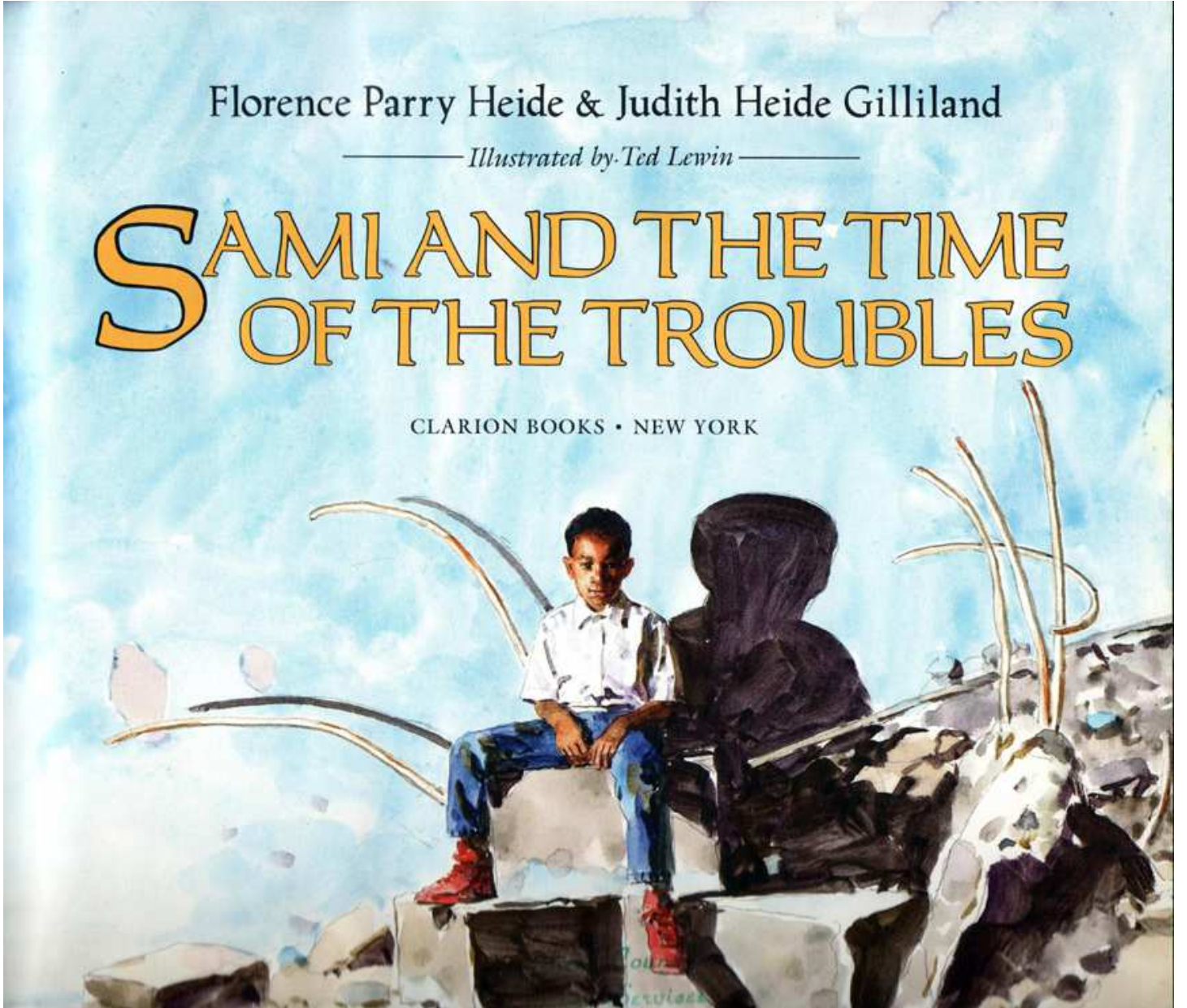
सामी और उसकी छोटी बहन लीला दुनिया के अन्य तमाम बच्चों जैसे ही हैं। पर लम्बी लड़ाई और जंग ने उनकी ज़िन्दगी को पूरी तरह से झकझोर दिया है। दुनिया के बहुत से हिस्सों में अब आपसी रंजिशों से निबटने के लिए लोग हिंसा का सहारा ले रहे हैं। जब मुश्किल आती है तो लोग अच्छे दिनों की यादों को बहुत सम्भालकर - संजोकर रखते हैं। उससे उम्मीद बनी रहती है कि यह बुरा वक़्त भी टल जायेगा, और फिर से बेहतर दिन आयेंगे।

फ्लोरेंस और जूडिथ ने सामी के परिवार के इर्दगिर्द एक बेहद मार्मिक कहानी रची है। बहुत मुश्किल भरे हालातों में भी सामी का परिवार एक अच्छे भविष्य की कामना करता है। टेड लेविन के अद्भुत चित्रों में गंभीर त्रासदी के दौरान भी, लोगों के चेहरों पर हमें एक मजबूती और दृढ़ता दिखाई देती है।

सामी और मुश्किलों से भरी घड़ी

फ्लोरेंस पैरी, जूडिथ गिलीलैंड, चित्र : टेड लेविन

हिंदी : विदूषक

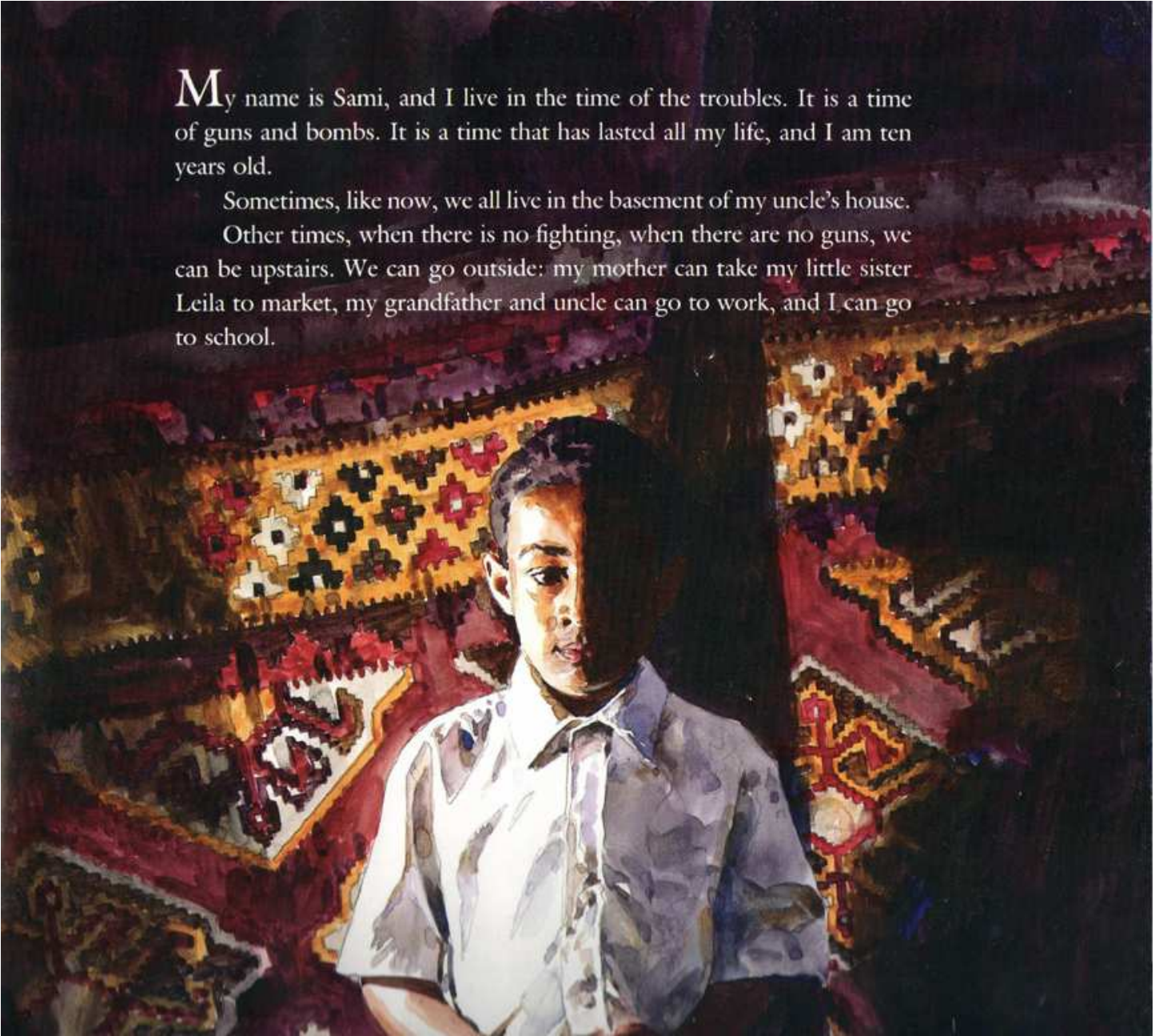




My name is Sami, and I live in the time of the troubles. It is a time of guns and bombs. It is a time that has lasted all my life, and I am ten years old.

Sometimes, like now, we all live in the basement of my uncle's house.

Other times, when there is no fighting, when there are no guns, we can be upstairs. We can go outside: my mother can take my little sister Leila to market, my grandfather and uncle can go to work, and I can go to school.



मेरा नाम सामी है, और मैं बहुत मुश्किल समय में जी रहा हूँ. मेरे चारों ओर बंदूकें चल रही हैं और बम्ब फट रहे हैं. यह सिलसिला मेरी पूरी ज़िन्दगी भर चला है, और अब मैं दस साल का हूँ.

अब हम लोग मेरे चाचा के घर के तहखाने में रहते हैं. अगर लड़ाई बंद हो और गोलियां नहीं चल रही हों तो फिर हम ऊपर भी रह सकते हैं. तब हम बाहर जा सकते हैं - तब माँ मेरी छोटी बहन लीला को, बाज़ार ले जा सकती है, मेरे दादाजी और चाचा अपने काम पर जा सकते हैं, और तब मैं भी स्कूल जा सकता हूँ.

The last time we had quiet days, my grandfather took my sister and me to the beach for a picnic. My mother came too. The sun was bright and hot, and we built castles in the sand.

“This is the way it used to be, Sami,” my grandfather told me that day. “This is the way it was before the time of the troubles.”

My mother looked at him then and shook her head. “It will never be the same,” she said. I knew she was thinking of my father, and that we will never see his face again, or hear his voice.

My grandfather took my mother’s hand. “It was an accident,” he said.

“Accident!” my mother cried, though she spoke so softly that I could scarcely hear. “When they place bombs where people go to market? It is no accident when we die like that!”



पिछली बार जब कुछ दिन शांति थी, तब एक दिन दादाजी मुझे और मेरी बहन को पिकनिक पर समंदर के किनारे ले गए. माँ भी साथ में थी. सूरज तेज़ गरम और चमकदार था, और उस दिन हमने रेत में किले बनाये.

“पहले भी ऐसा ही होता था, सामी,” दादाजी ने मुझे उस दिन बताया. “लड़ाई से पहले रोजाना ही ऐसा शांत माहौल होता था.”

माँ ने दादाजी की ओर देखा और अपना सर हिलाया. “अब पहले जैसे हालात कभी वापिस नहीं आयेंगे,” माँ ने कहा. मुझे पता था की वो मेरे पिताजी के बारे में सोच रहीं थीं. शायद हम अब कभी भी पिताजी की आवाज़ नहीं सुन पाएंगे और न ही कभी उनका चेहरा देख पाएंगे.

दादाजी ने माँ का हाथ पकड़ा और कहा, “वो एक दुर्घटना थी,” उन्होंने कहा.

“दुर्घटना!” माँ ने रोते हुए कहा. वो इतनी धीमे आवाज़ में बोलीं की मुझे कुछ सुनाई ही नहीं दिया. “क्या बाज़ार में बम्ब रखे जाते हैं - जहाँ सैकड़ों लोग रोजाना आते-जाते हैं? अगर इस तरह बम्ब से मौत हो, तो वो कोई दुर्घटना नहीं होती!”

They were quiet a moment.

“Will you help Leila and me with this sand castle?” I asked my grandfather. I did not want Leila to hear them talking.

My grandfather touched my mother’s shoulder and then knelt down beside my sister and me.

“We can build the finest castle in the land,” he said.

“But it won’t last,” I told him.

“It will last in your head, Sami. Just like today. And look, this is a beautiful day.”



फिर थोड़ी देर के लिए एकदम मौन छा गया.

“क्या आप रेत का किला बनाने में मेरी और लीला की मदद करेंगे?” मैंने दादाजी से पूछा. मैं नहीं चाहता था की लीला, बड़ों की बातें सुने.

दादाजी ने माँ का कन्धा छुआ और फिर वो रेत में घुटने टेक कर मेरे और लीला के पास बैठ गए.

“हम अपने देश का सबसे उम्दा महल बनायेंगे,” उन्होंने कहा.

“पर वो बहुत दिनों तक टिकेगा नहीं,” मैंने उनसे कहा.

“पर उसकी तस्वीर तुम्हारे ज़हन में हमेशा जिंदा रहेगी. जैसे आज का दिन. आज का दिन कितना खूबसूरत है, क्यों, है न?”

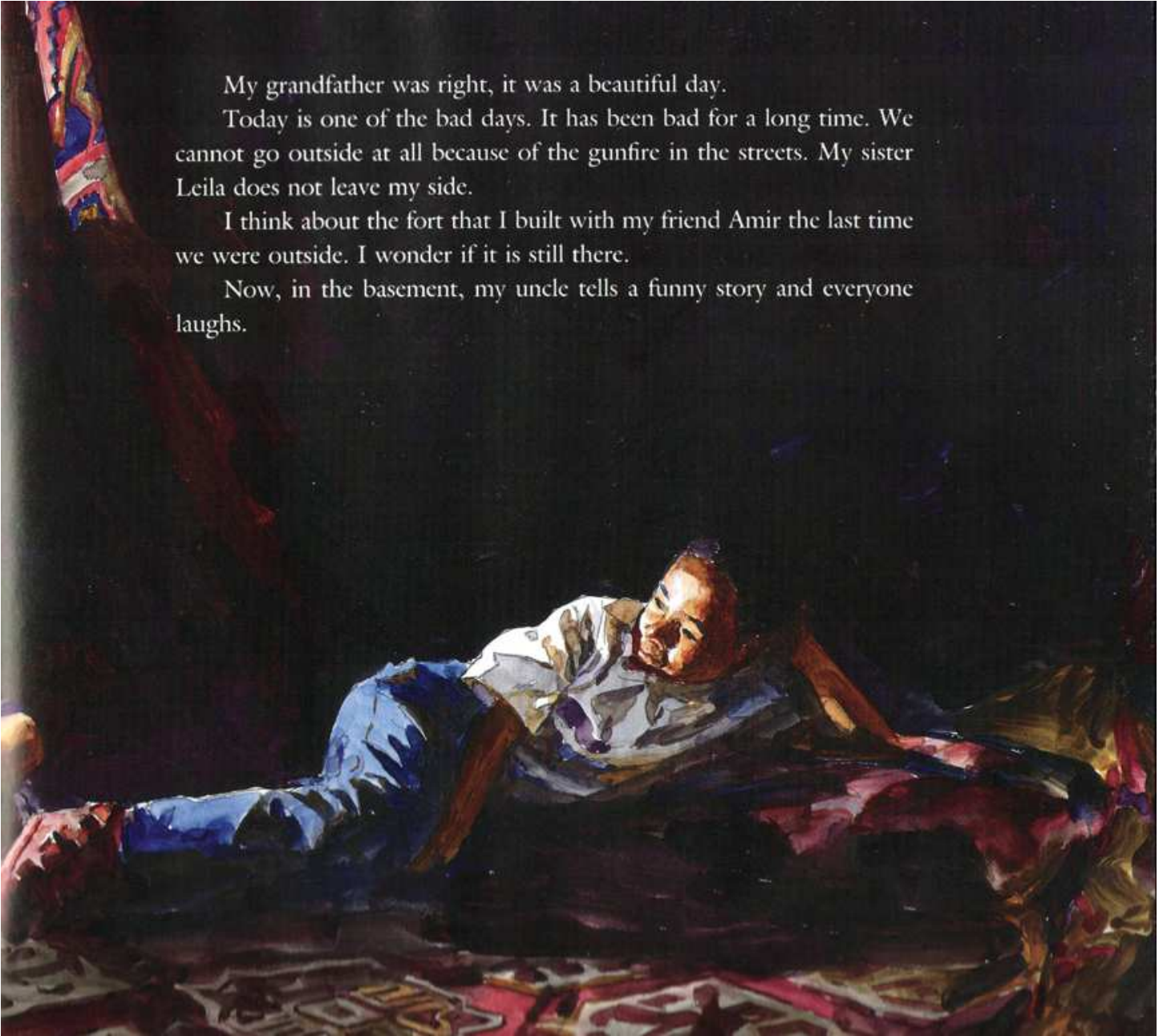


My grandfather was right, it was a beautiful day.

Today is one of the bad days. It has been bad for a long time. We cannot go outside at all because of the gunfire in the streets. My sister Leila does not leave my side.

I think about the fort that I built with my friend Amir the last time we were outside. I wonder if it is still there.

Now, in the basement, my uncle tells a funny story and everyone laughs.

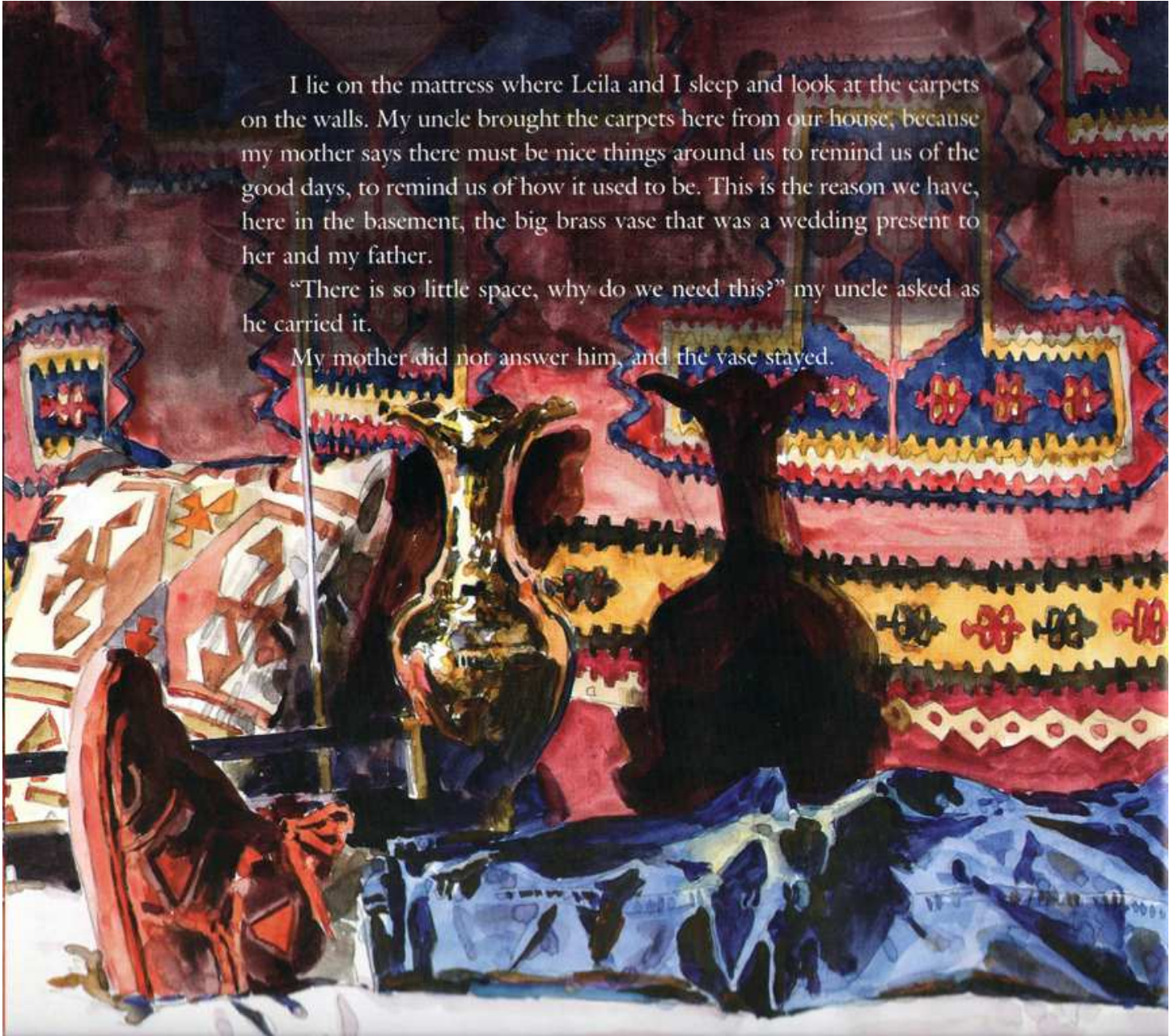


दादाजी ने सही ही कहा था. वो दिन वाकई में एक खूबसूरत दिन था.

पर आज का दिन एक ख़राब दिन है. आज हम घर के बाहर कदम भी नहीं रख सकते क्योंकि सड़कों पर गोलियां चल रही हैं. मेरी बहन लीला मेरा साया तक छोड़ने को तैयार नहीं है.

मैं रेत के उस किले को याद करता हूँ जो मैंने पिछली बार की सैर के दौरान अपने दोस्त अमीर के साथ मिलकर बनाया था. क्या वो किला अभी भी सुरक्षित होगा?

तभी तहखाने में चाचाजी एक मज़ेदार कहानी सुनाते हैं जिसे सुनकर सभी लोग हँसते हैं.

A watercolor illustration of a room. In the foreground, a large, dark, ornate brass vase sits on a blue patterned cloth. To its left, a smaller, golden vase is visible. The background is filled with various patterned carpets and rugs in shades of red, blue, yellow, and white. The overall style is soft and painterly.

I lie on the mattress where Leila and I sleep and look at the carpets on the walls. My uncle brought the carpets here from our house, because my mother says there must be nice things around us to remind us of the good days, to remind us of how it used to be. This is the reason we have, here in the basement, the big brass vase that was a wedding present to her and my father.

“There is so little space, why do we need this?” my uncle asked as he carried it.

My mother did not answer him, and the vase stayed.

जिस पलंग पर मैं और लीला सोते हैं मैं उसके गद्दे पर लेटकर दीवारों से टंगे कालीनों को निहारता हूँ. चाचाजी उन कालीनों को हमारे घर से लाये थे, क्योंकि माँ का कहना था की हमारे आसपास सुन्दर चीज़ें होनी चाहियें जो हमें लगातार बीते हुए अच्छे दिनों की याद दिलाती रहें. इसीलिये यहाँ इस तहखाने में पीतल का एक बड़ा फूलदान भी है, जो माँ और पिताजी को शादी के समय भेंट में मिला था.

“तहखाने में इतनी कम जगह है, हम इस फूलदान को वहां ले जाकर क्या करेंगे?” चाचाजी ने फूलदान ले जाते हुए पूछा.

माँ ने उस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया, पर फूलदान तहखाने में लाया गया.

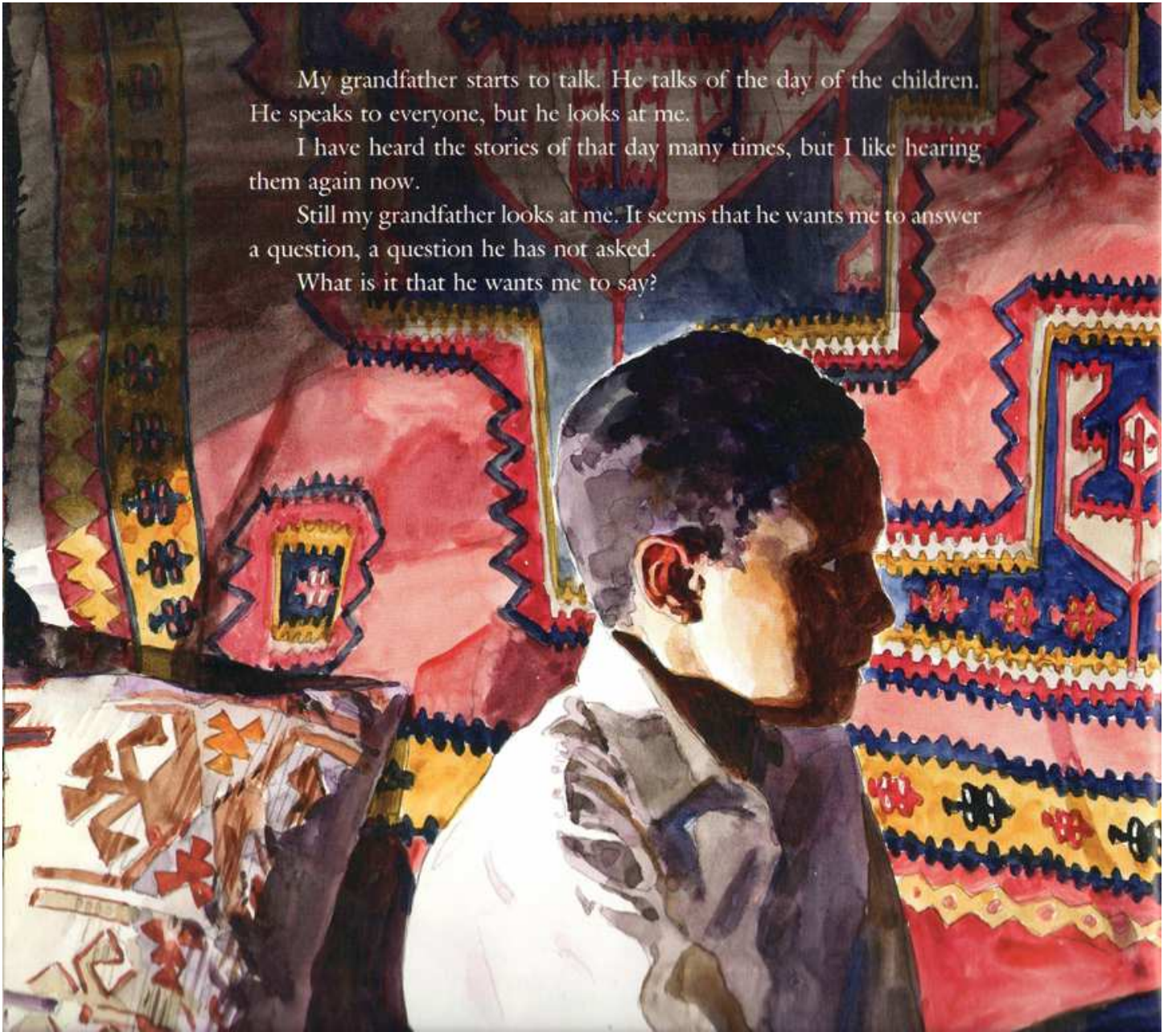


My grandfather starts to talk. He talks of the day of the children.
He speaks to everyone, but he looks at me.

I have heard the stories of that day many times, but I like hearing
them again now.

Still my grandfather looks at me. It seems that he wants me to answer
a question, a question he has not asked.

What is it that he wants me to say?



फिर दादाजी ने बातचीत शुरू की. उन्होंने “बच्चों के दिन” की कहानी सुनायी.
वो सबसे बातचीत करते हुए मेरी ओर देखते रहे.

उस दिन की कहानी मैंने पहले भी कई बार सुनी थी. उस कहानी को बार-बार
सुनने में मुझे मज़ा आता था.

दादाजी मेरी तरफ देखते हैं. वो मुझ से एक प्रश्न पूछना चाहते हैं. न जाने
क्यूं वो उस प्रश्न को पूछने से झिझक रहे हैं.

वो मुझ से प्रश्न का क्या जवाब चाहते हैं?



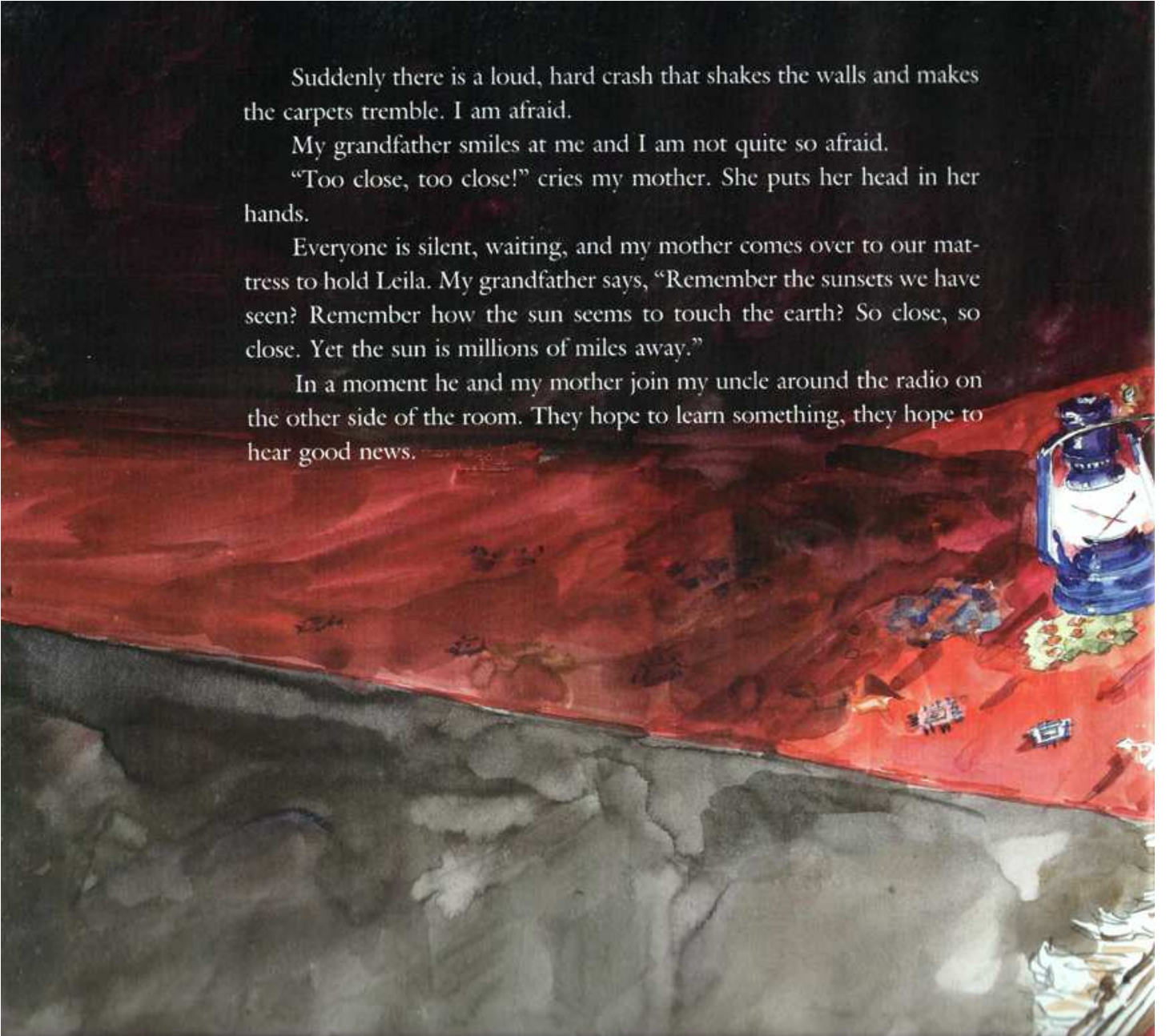
Suddenly there is a loud, hard crash that shakes the walls and makes the carpets tremble. I am afraid.

My grandfather smiles at me and I am not quite so afraid.

“Too close, too close!” cries my mother. She puts her head in her hands.

Everyone is silent, waiting, and my mother comes over to our mattress to hold Leila. My grandfather says, “Remember the sunsets we have seen? Remember how the sun seems to touch the earth? So close, so close. Yet the sun is millions of miles away.”

In a moment he and my mother join my uncle around the radio on the other side of the room. They hope to learn something, they hope to hear good news.



तभी अचानक बाहर बहुत जोर के धमाके की आवाज़ आती है जिससे दीवारें हिलने लगती हैं और कालीन कांपने लगते हैं. मुझे डर लगता है.

दादाजी मेरी तरफ देखकर थोड़ा मुस्कराते हैं जिससे मेरा डर कुछ कम हो जाता है.

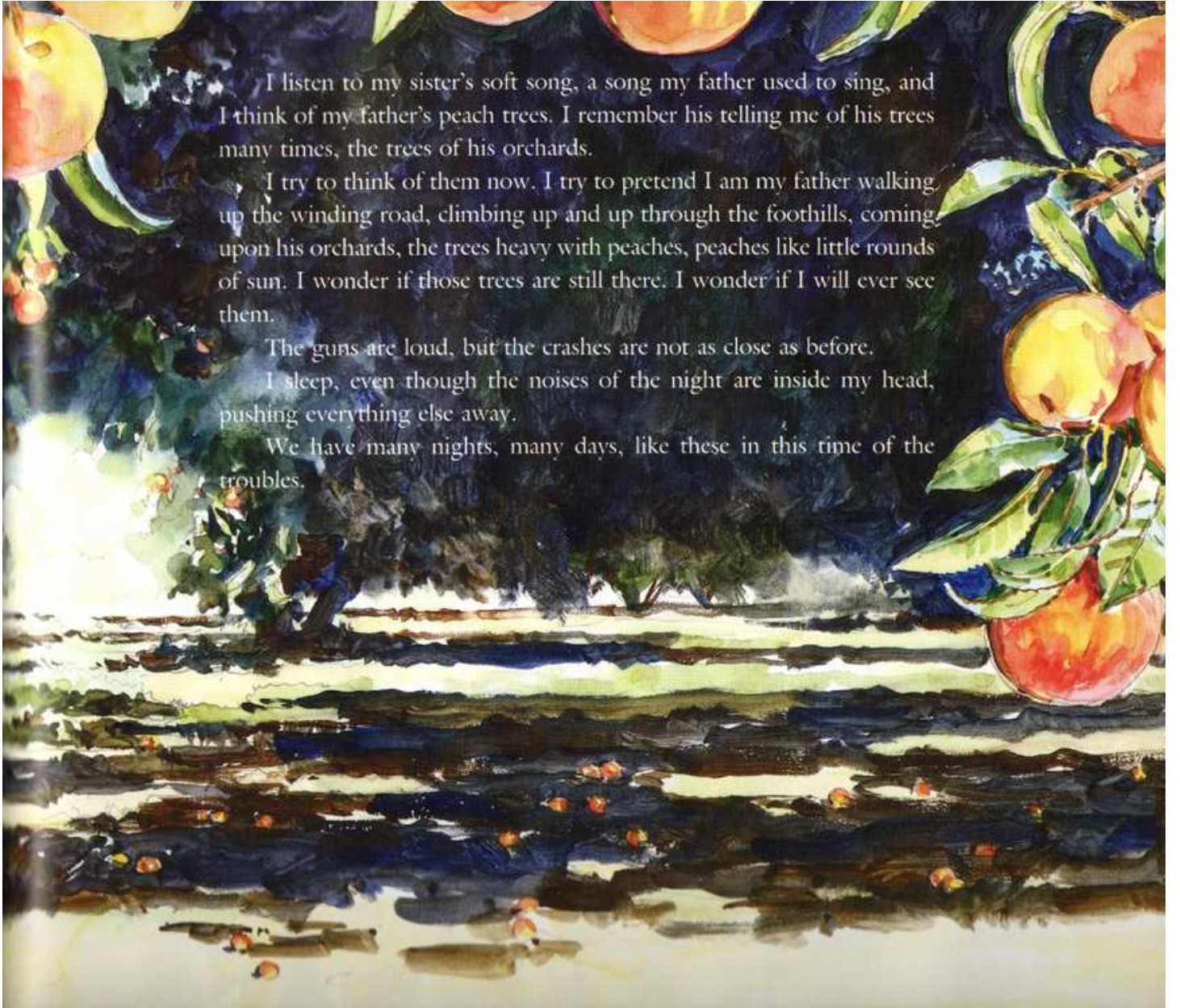
“बम्ब कहीं पास में ही फटा है!” माँ ने रोते हुए कहा. फिर उन्होंने दोनों हाथों से सर को थामा.

सब लोग चुप थे और अगली घड़ी का इंतजार कर रहे थे. फिर माँ हमारे गद्दे पर आर्यी और लीला को उन्होंने गले लगाया. दादाजी कहते हैं, “तुम्हें याद हैं वो सूर्यास्त जो हमने साथ देखे थे? याद है किस तरह से सूरज, धरती को छूता है, चूमता है जैसे वो एकदम करीब हो. पर असल में सूरज, पृथ्वी से करोड़ों मील दूरी पर होता है.”

कुछ देर बाद दादाजी और माँ दूसरे कमरे में चले जाते हैं, जहाँ चाचा रेडियो पर खबरें सुन रहे हैं. सभी लोग कोई अच्छी खबर सुनने को लालायित हैं.







I listen to my sister's soft song, a song my father used to sing, and I think of my father's peach trees. I remember his telling me of his trees many times, the trees of his orchards.

I try to think of them now. I try to pretend I am my father walking up the winding road, climbing up and up through the foothills, coming upon his orchards, the trees heavy with peaches, peaches like little rounds of sun. I wonder if those trees are still there. I wonder if I will ever see them.

The guns are loud, but the crashes are not as close as before.

I sleep, even though the noises of the night are inside my head, pushing everything else away.

We have many nights, many days, like these in this time of the troubles.

लीला धीमी आवाज़ में एक गीत गुनगुना रही है. मैं उस गाने को सुनता हूँ. पिताजी वो गाना गाया करते थे. गाने को सुनकर मुझे पिताजी के आडुयों के पेड़ों की याद आती है. वो अक्सर मुझे उन पेड़ों के बारे में बताया करते थे. वो पेड़ उनके बगीचे में लगे थे.

अब मैं उन पेड़ों के बारे में सोचता हूँ. मैं कल्पना करता हूँ और पिताजी जैसे पहाड़ी पगडण्डी पर ऊपर चढ़ता हूँ. फिर पत्थरों की सीढ़ियाँ चढ़कर पिताजी के फलों वाले बगीचे में पहुँचता हूँ. वहाँ पेड़ आडू के फलों से लदे हैं, एकदम गोल-गोल सुनहरे आडू बिलकुल सूरज जैसे दिखते हैं. क्या वो पेड़ अभी भी वहाँ होंगे? मैं अचरज करता हूँ – क्या मैं उन्हें कभी दुबारा देख पाऊँगा?

बंदूकों की आवाज़ें अभी भी आ रही थीं. पर अब वो पास नहीं, कुछ दूर थीं.

मैं सोता हूँ, पर रात की दर्दनाक आवाज़ें अभी भी मेरे दिमाग में घूमती हैं और वो बाकी सभी विचारों को दिमाग से बाहर फेंक देती हैं.

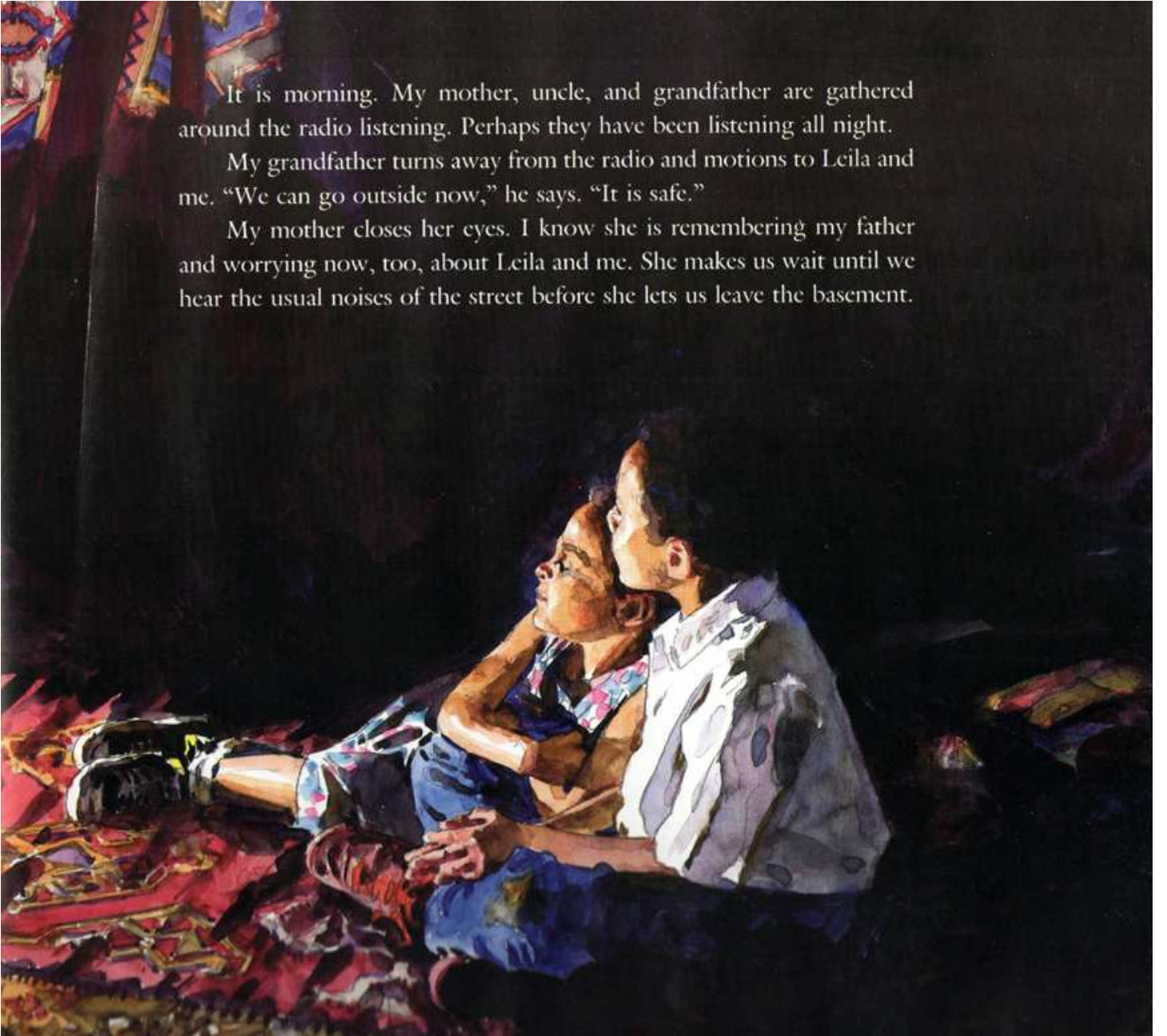
इस तरह गर्दिश के समय कई रात और कई दिन, बारी-बारी से बीतते हैं.



It is morning. My mother, uncle, and grandfather are gathered around the radio listening. Perhaps they have been listening all night.

My grandfather turns away from the radio and motions to Leila and me. "We can go outside now," he says. "It is safe."

My mother closes her eyes. I know she is remembering my father and worrying now, too, about Leila and me. She makes us wait until we hear the usual noises of the street before she lets us leave the basement.



सुबह के वक़्त माँ, चाचा और दादाजी रेडियो सुनते हैं। शायद उन्होंने पूरी रात भर रेडियो सुना है।

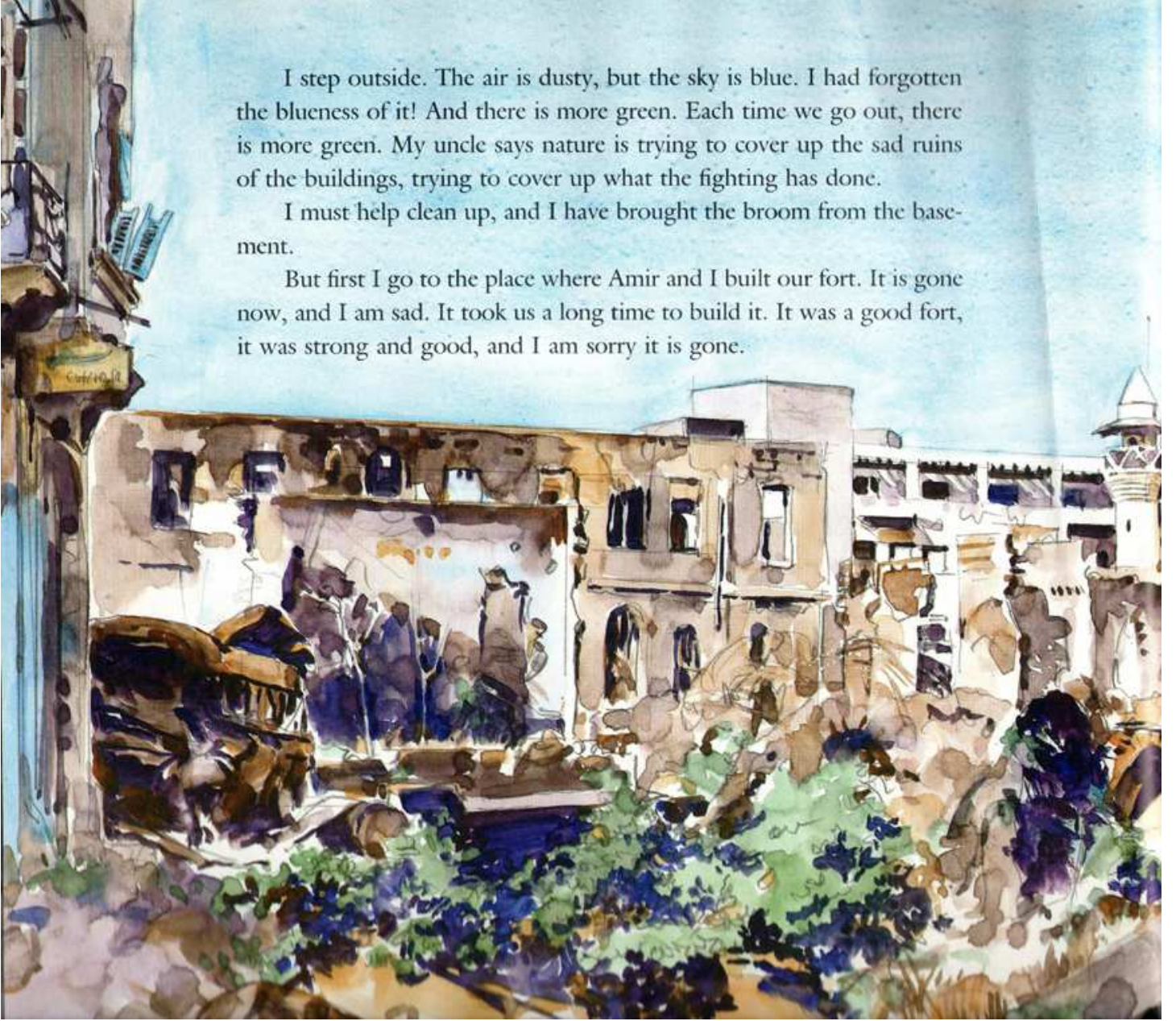
कुछ देर में दादाजी रेडियो से मुड़कर मेरी और लीला की तरफ देखते हैं। "अब हम बाहर जा सकते हैं," वो कहते हैं। "अब माहौल सुरक्षित है।"

माँ अपनी आँखें बंद करती हैं। मुझे पता है कि वो पिताजी को याद कर रही हैं, और मेरी और लीला की चिंता कर रही हैं। वो हमसे कुछ देर तक अन्दर ही इंतजार करने को कहती हैं। कुछ देर बाद जब बाहर सड़क पर लोगों के आने-जाने की आवाज़ सुनायी देती है, तभी हम अपने तहखाने से बाहर निकलते हैं।

I step outside. The air is dusty, but the sky is blue. I had forgotten the blueness of it! And there is more green. Each time we go out, there is more green. My uncle says nature is trying to cover up the sad ruins of the buildings, trying to cover up what the fighting has done.

I must help clean up, and I have brought the broom from the basement.

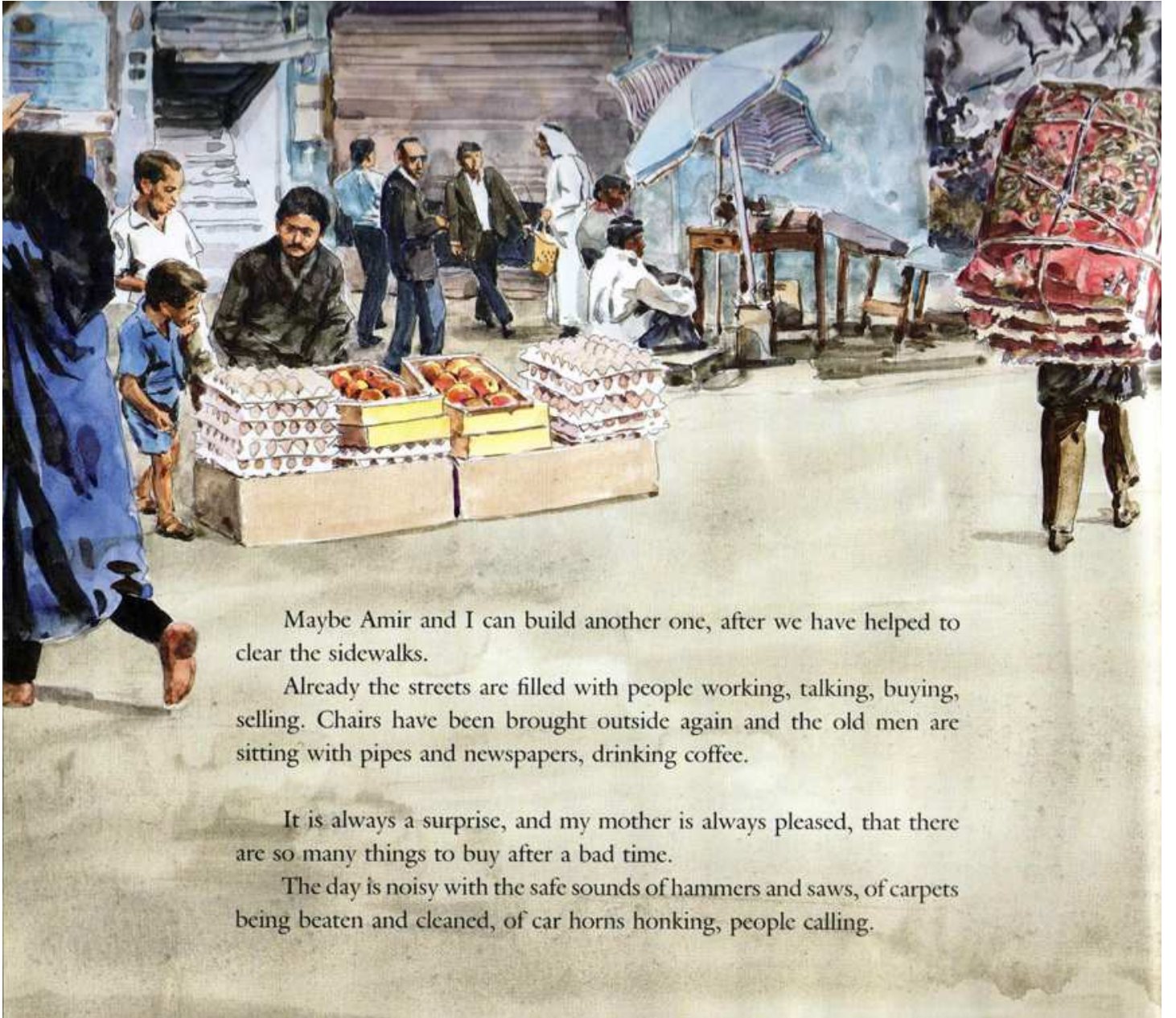
But first I go to the place where Amir and I built our fort. It is gone now, and I am sad. It took us a long time to build it. It was a good fort, it was strong and good, and I am sorry it is gone.



मैं घर के बाहर निकलता हूँ. हवा धूल से भरी है पर आसमान नीला है. तहखाने में छिपे-छिपे में आकाश के नीलेपन को भूल ही गया था! कई जगहों पर हरियाली भी है. हर बार जब हम बाहर निकलते हैं तो हमें और हरियाली नज़र आती है. चाचा का कहना है कि जो इमारतें लड़ाई में नष्ट और ध्वस्त हुई हैं प्रकृति उन करतूतों को अपनी हरियाली से ढँक रही है.

मुझे भी सफाई में मदद करनी चाहिए. और मैं उसके लिए तहखाने से अपनी झाड़ू लाया हूँ. पर सबसे पहले मैं उस स्थान पर जाता हूँ जहाँ अमीर और मैंने मिलकर किला बनाया था. किला अब वहाँ से गायब है. यह देख कर मैं दुखी होता हूँ. हमारा किला मज़बूत और अच्छा था, और उसके गायब होने का मुझे भरी दुःख है.





Maybe Amir and I can build another one, after we have helped to clear the sidewalks.

Already the streets are filled with people working, talking, buying, selling. Chairs have been brought outside again and the old men are sitting with pipes and newspapers, drinking coffee.

It is always a surprise, and my mother is always pleased, that there are so many things to buy after a bad time.

The day is noisy with the safe sounds of hammers and saws, of carpets being beaten and cleaned, of car horns honking, people calling.

सड़क की सफाई करने के बाद हो सकता है अमीर और मैं मिलकर एक नया किला बनायें। अब सड़कें लोगों से खचखच भरी हैं। लोग अपने-अपने धंधों में लगे हैं, एक-दूसरे से बातें कर रहे हैं, चीजें खरीद-बेच रहे हैं। अब दुबारा सड़क पर कुर्सियां लगी हैं जहाँ पर बूढ़े मर्द बैठकर हुक्का पी रहे हैं, अखबार पढ़ रहे हैं और कॉफी की चुस्की ले रहे हैं।

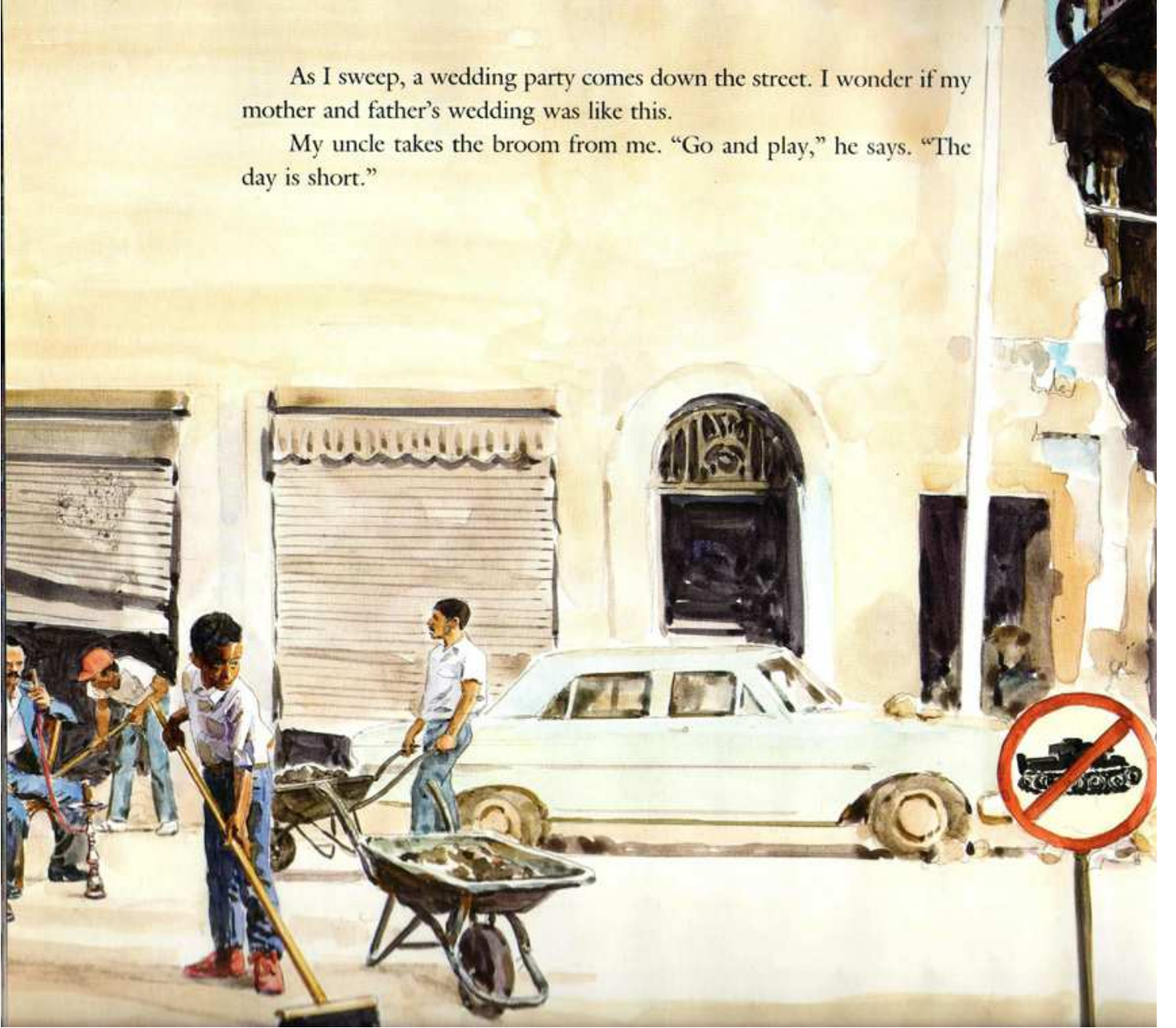
हमें हर बार ताज्जुब होता है, और माँ को खुशी भी होती है कि गर्दिश और मुसीबत के दिनों के बीतने के बाद हम दुबारा फिर से तमाम चीजें खरीद पाते हैं।

उस दिन सब तरफ काफी शोर था। आरी से लकड़ी काटे जाने और हथौड़ी की ठोक-ठोक की सुरक्षित आवाजें आ रही थीं। लोग अपने कालीनों को डंडों से मार-मारकर, उनकी धूल झाड़ रहे थे। मोटरकारों के हॉर्न सुनाई दे रहे थे और लोगों की आवाजें भी।



As I sweep, a wedding party comes down the street. I wonder if my mother and father's wedding was like this.

My uncle takes the broom from me. "Go and play," he says. "The day is short."



जब मैं सड़क पर झाड़ू लगा रहा था तभी एक बारात सड़क पर आई. उसे देख कर मैंने सोचा - क्या मेरे अम्मी-अब्बू की शादी भी इसी तरह हुई होगी?

तभी चाचा ने मेरे हाथ से झाड़ू छीनकर कहा, "जाओ, जाकर खेलो. दिन बहुत छोटा है."



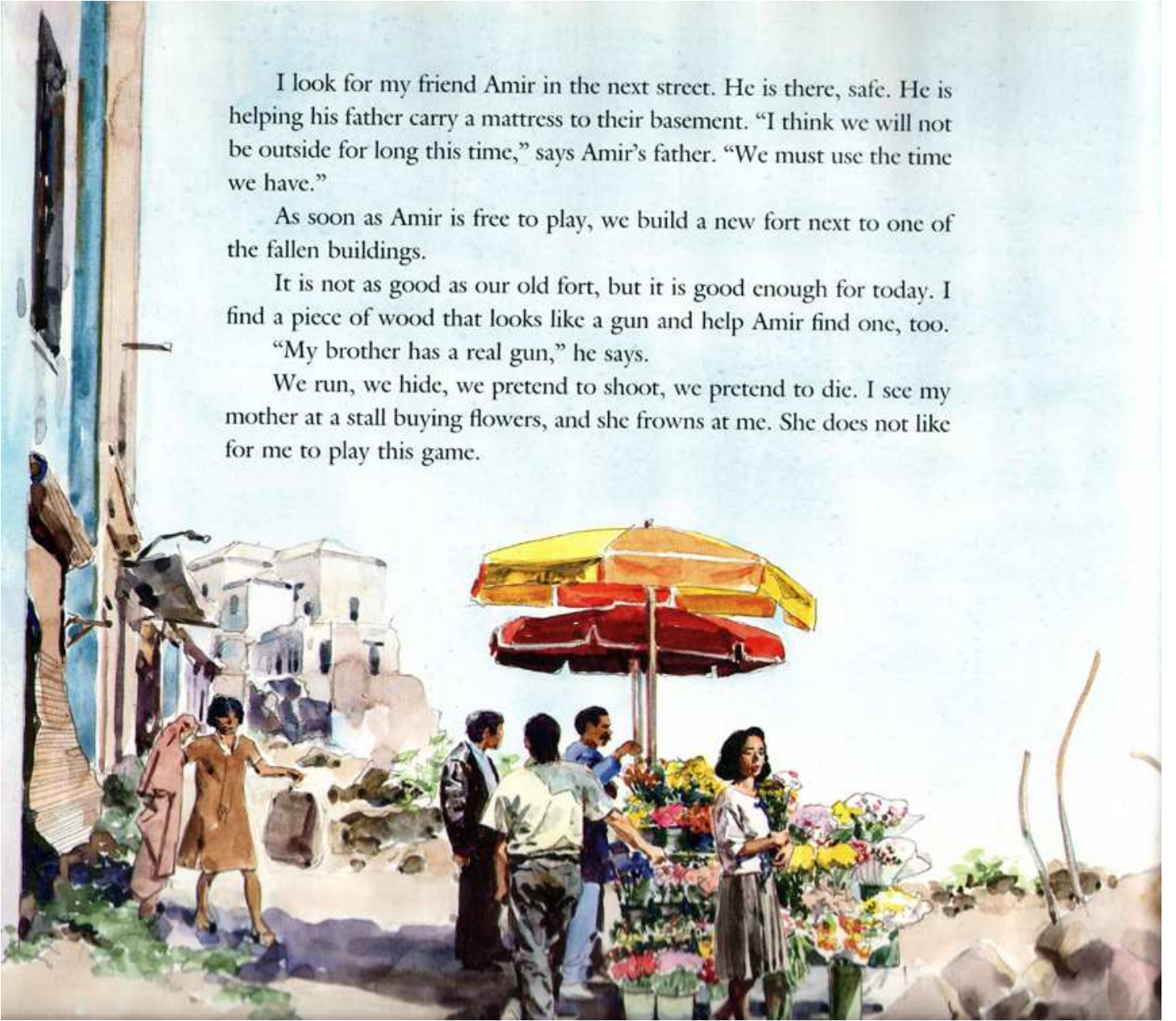
I look for my friend Amir in the next street. He is there, safe. He is helping his father carry a mattress to their basement. "I think we will not be outside for long this time," says Amir's father. "We must use the time we have."

As soon as Amir is free to play, we build a new fort next to one of the fallen buildings.

It is not as good as our old fort, but it is good enough for today. I find a piece of wood that looks like a gun and help Amir find one, too.

"My brother has a real gun," he says.

We run, we hide, we pretend to shoot, we pretend to die. I see my mother at a stall buying flowers, and she frowns at me. She does not like for me to play this game.



में अगली गली में अपने दोस्त अमीर से मिलने जाता हूँ. वो वहां सुरक्षित है. वो नीचे तहखाने में गद्दे ले जाने में, अपने अब्बा की मदद कर रहा है. "लगता है इस बार हम बहुत देर तक बाहर नहीं रह पाएंगे," अमीर के अब्बा ने कहा. "जो भी वक़्त हमारे पास है हमें उसका अच्छा इस्तेमाल करना चाहिए."

जैसे ही अमीर अपना काम खत्म करता है, वैसे ही हम दोनों खेलने को निकलते हैं. जो ईमारत ढह गयी है हम उसी के पास एक नया किला बनाते हैं.

नया किला, पुराने जितना तो अच्छा नहीं है, पर आज के लिए वो ठीक है. मुझे एक लकड़ी दिखाई देती है जो देखने में बन्दूक के आकर की है. मैं अमीर के लिए भी वैसी एक और लकड़ी खोजता हूँ.

"मेरे भाई के पास एक असली बन्दूक है," अमीर कहता है.

हम दोनों दौड़ते हैं, छिपते हैं और एक दूसरी को गोली मारने और मरने की एक्टिंग करते हैं. दूर से मुझे माँ दिखती हैं. वो एक दुकान से कुछ फूल खरीद रही हैं. बन्दूक से खेलना उन्हें बिलकुल नापसंद है.



After a while, we stop to rest. Amir says, "When we are older, we will have real guns."

I shake my head. "The fighting will be over then. It cannot last forever."

"But who will stop it?" asks Amir.

Two men walk by carrying little children on their shoulders. Seeing them reminds me of the stories I have heard about the day of the children. It was a long time ago, so long ago I cannot remember. I was younger than my little sister Leila is now. Amir and I have talked of that day often, even though we cannot remember it ourselves.



कुछ देर बाद अमीर और मैं खेलना बंद करते हैं। अमीर कहता है, "जब हम बड़े होंगे, तब हमारे हाथों में असली बंदूकें होंगी।"

मैं अपना सर हिलाता हूँ। "तब लड़ाई और जंग खत्म हो जाएगी। लड़ाई हमेशा थोड़ी न चलेगी।"

"पर लड़ाई को बंद कौन करवाएगा?" अमीर पूछता है।

हमारे पास से दो आदमी गुजरते हैं। छोटे बच्चे उनके कंधों पर बैठे हैं। उन्हें देखकर मुझे दादाजी की कहानी याद आई - "बच्चों का दिन". उस कहानी को मैंने पहली बार तब सुना था जब मैं बहुत छोटा था। इतना छोटा कि अब मुझे कुछ भी याद नहीं। जितनी बड़ी अब मेरी बहन लीला है तब मैं उससे भी छोटा था। अमीर और मैंने मिलकर "बच्चों के दिन" के बारे में काफी चर्चा की थी। वैसे, अभी हमें उसके बारे में कुछ याद नहीं है।





It was a day like today, a day when everyone could be outside, a day when the guns had stopped.

Without warning, children appeared in the streets. Hundreds and hundreds of children started to march. They carried banners and flags, they carried signs, and the words written on them said: *Stop. Stop the fighting.*

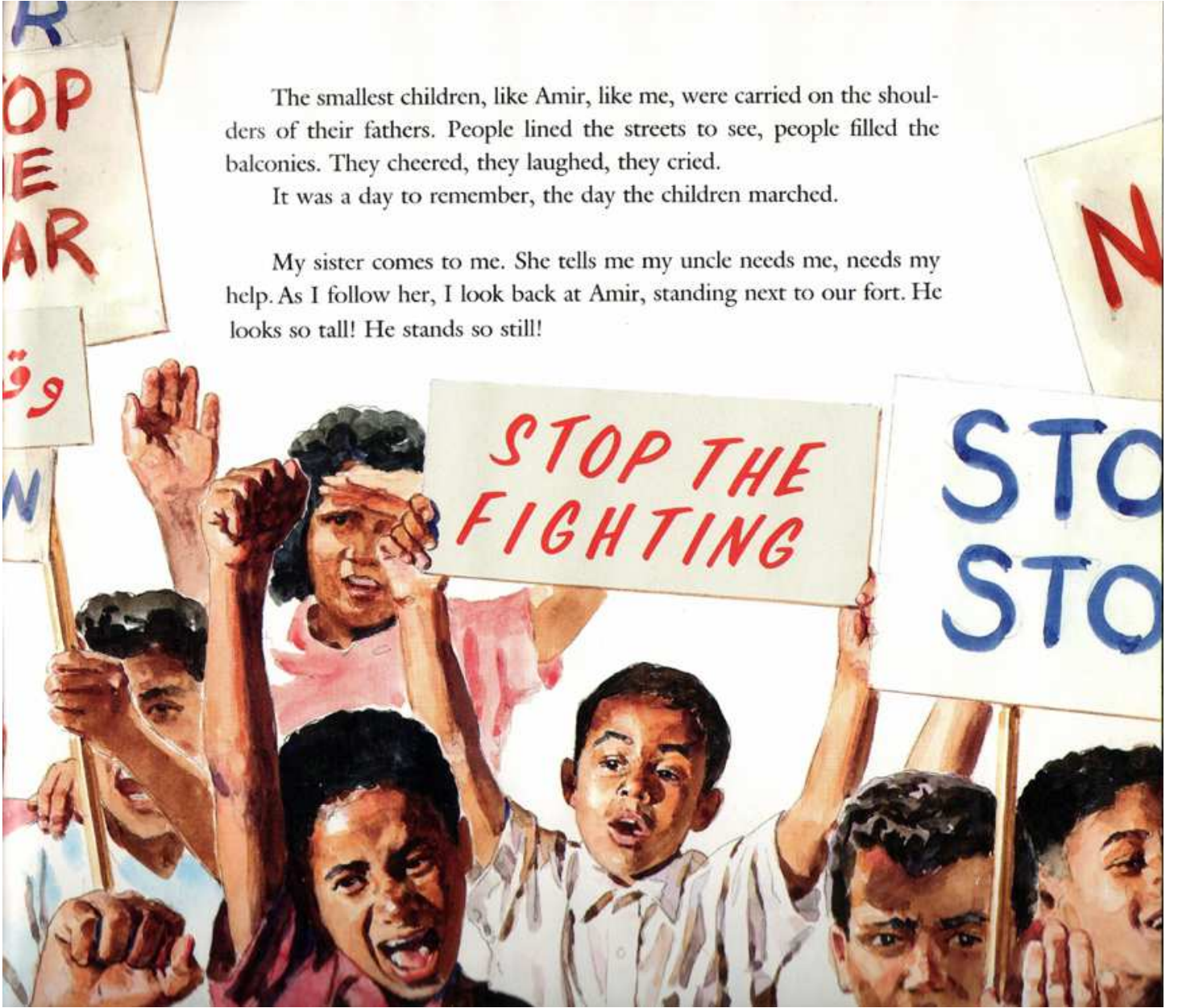
वो दिन भी आज जैसा ही दिन था - जब सब लोग सड़कों पर बाहर निकले थे. उस दिन बंदूकों की कोई आवाज़ नहीं थी.

तब बिना किसी चेतावनी या इशारे के बच्चे सड़क पर जमा होना शुरू हो गए. सैकड़ों बच्चे सड़क पर कतारों में आगे बढ़ने लगे. उनके हाथों में बैनर और झंडे थे. बैनर्स पर उन्होंने खुद अपने हाथों से नारे लिखे थे : **“यह लड़ाई, यह जंग बंद करो!”**

The smallest children, like Amir, like me, were carried on the shoulders of their fathers. People lined the streets to see, people filled the balconies. They cheered, they laughed, they cried.

It was a day to remember, the day the children marched.

My sister comes to me. She tells me my uncle needs me, needs my help. As I follow her, I look back at Amir, standing next to our fort. He looks so tall! He stands so still!

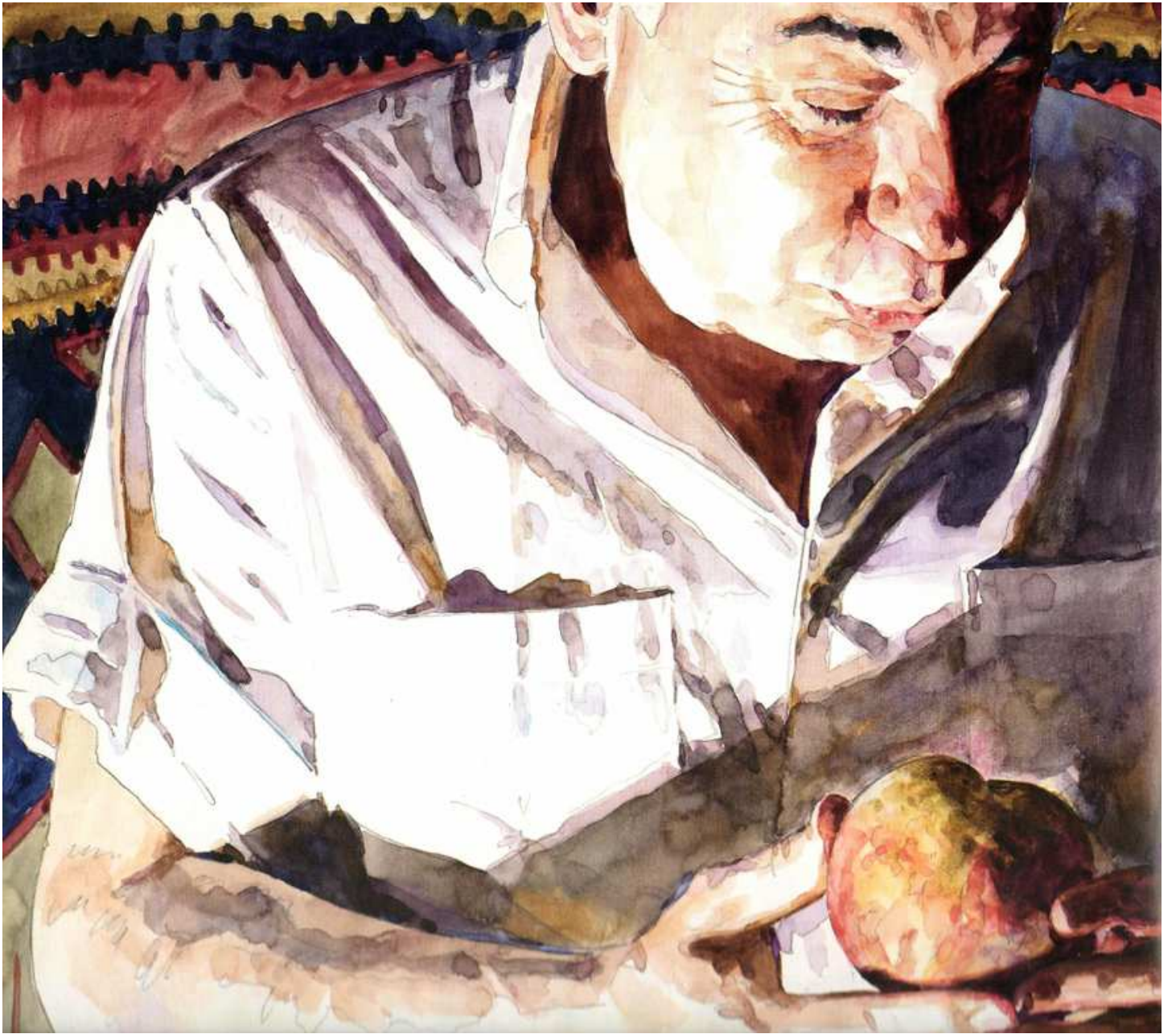


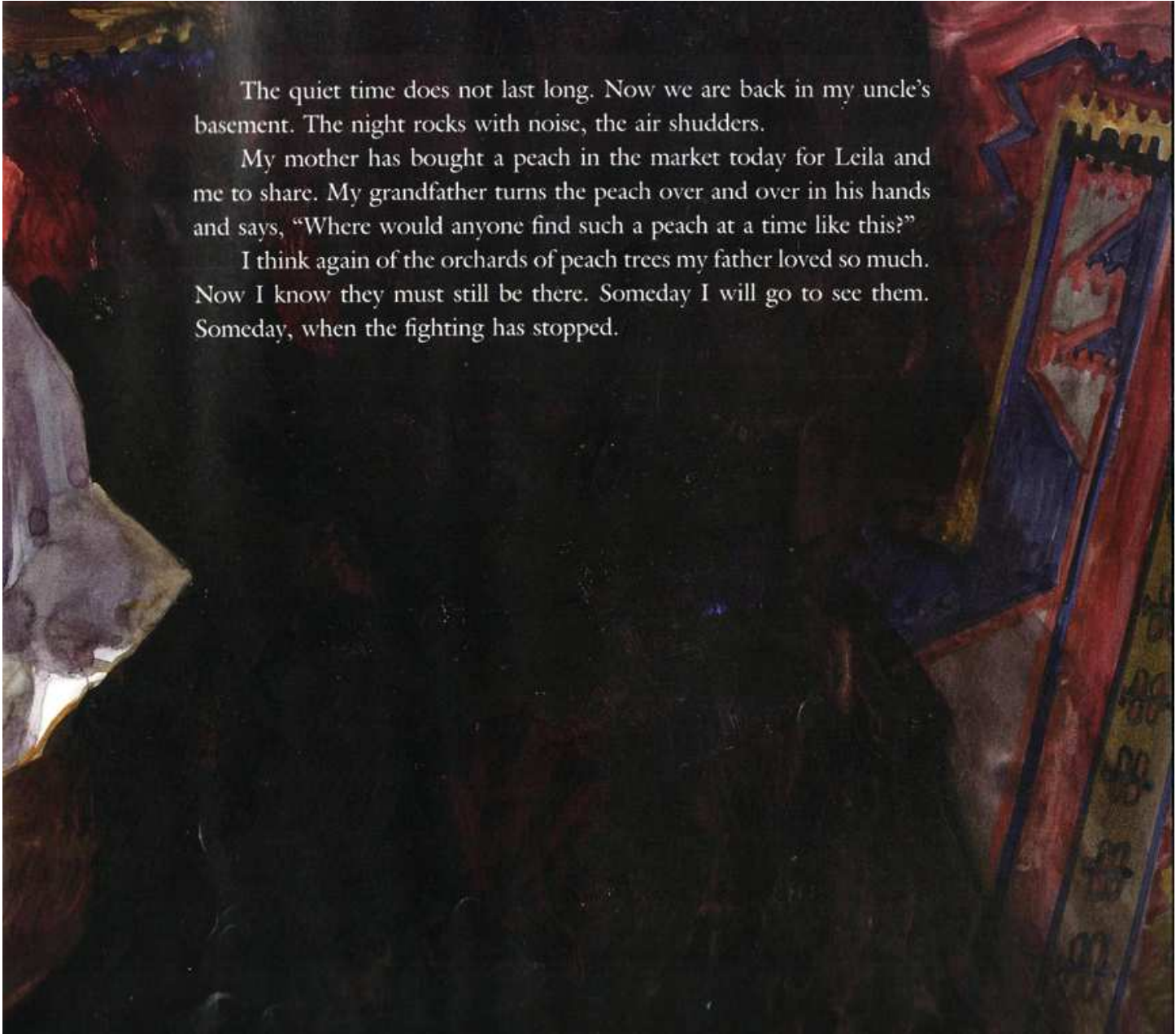
अमीर और मेरे जैसे छोटे बच्चों को पिताओं ने अपने कंधों पर बैठाया था. बच्चों के इस जलूस को देखने के लिए लोग बड़ी तादाद में सड़क के किनारों पर लाइन में खड़े थे या फिर अपनी छतों से उन्हें देख रहे थे. लोग बच्चों का उत्साह बढ़ा रहे थे, हंस रहे थे, रो रहे थे.

वो दिन वाकई में एक यादगार दिन था, जब सड़क पर बच्चों ने जलूस निकाला था.

मेरी बहन मेरे पास आई. उसने कहा की चाचा को मेरी मदद की ज़रूरत है, इसलिए वो मुझे बुला रहे हैं. मैं बहन के पीछे-पीछे चला. बीच-बीच में मैंने पलट कर अमीर को देखा. वो हमारे बनाये किले के बिलकुल सामने खड़ा था. वो बहुत ऊंचा लग रहा था! वो वहां एकदम बिना हिले-डुले खड़ा था!

युद्ध बंद करो!





The quiet time does not last long. Now we are back in my uncle's basement. The night rocks with noise, the air shudders.

My mother has bought a peach in the market today for Leila and me to share. My grandfather turns the peach over and over in his hands and says, "Where would anyone find such a peach at a time like this?"

I think again of the orchards of peach trees my father loved so much. Now I know they must still be there. Someday I will go to see them. Someday, when the fighting has stopped.

शांति का यह दौर बहुत देर तक कायम नहीं रहा. हम लोगों को दुबारा चाचा के तहखाने में वापिस लौटना पड़ा. रात भर धमाके होते रहे, और हवा कांपती रही.

माँ बाज़ार से एक आड़ू खरीद कर लाई थी, जिससे कि मैं और लीला उसे आधा-आधा खा सकें. दादाजी ने आड़ू को अपने हाथों से बार-बार घुमाया और पूछा, "इन मुश्किल हालातों में तुम्हें इतना अच्छा आड़ू कैसे मिला?"

मुझे फिर आड़ुयों के उस बाग़ की याद आई जो पिताजी को बेहद पसंद था. अब मुझे पता है कि वो बाग़ अभी भी वहां ज़रूर होगा. किसी दिन मैं उस बाग़ को ज़रूर देखने जाऊंगा. वो तभी संभव होगा जब युद्ध समाप्त होगा.

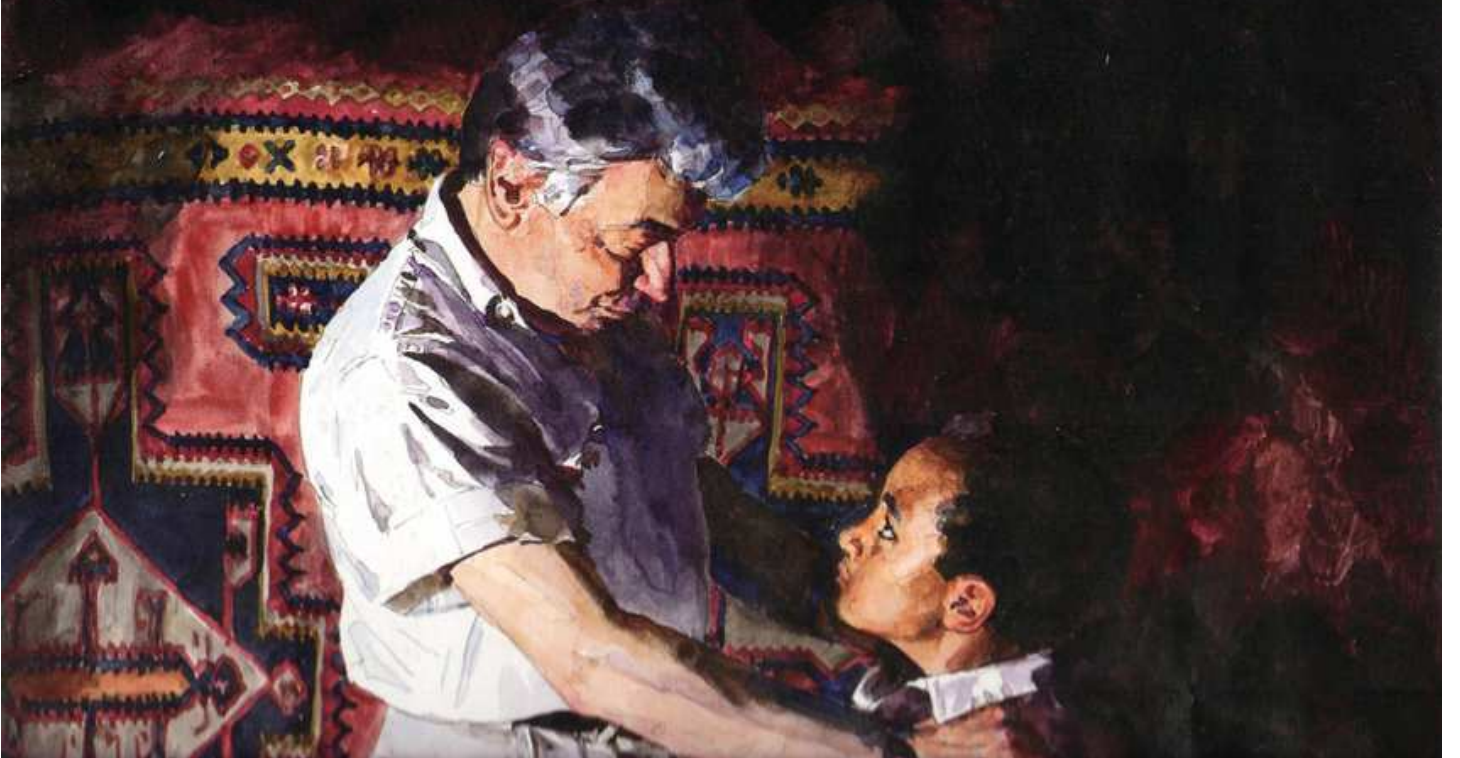
Suddenly I know what my grandfather has been silently asking me. And I know the answer.

I turn to him. "We can have another day," I say. "We can have another time when the children march in the streets."

My grandfather puts his hands on my shoulders, and I see that he is proud of me.

"Yes," he says. "It is time. Maybe now the ones who fight will hear, maybe this time they will listen. Yes," he says again.

In a moment he joins the others gathered around the radio, and once again I wait for the noises of the night.



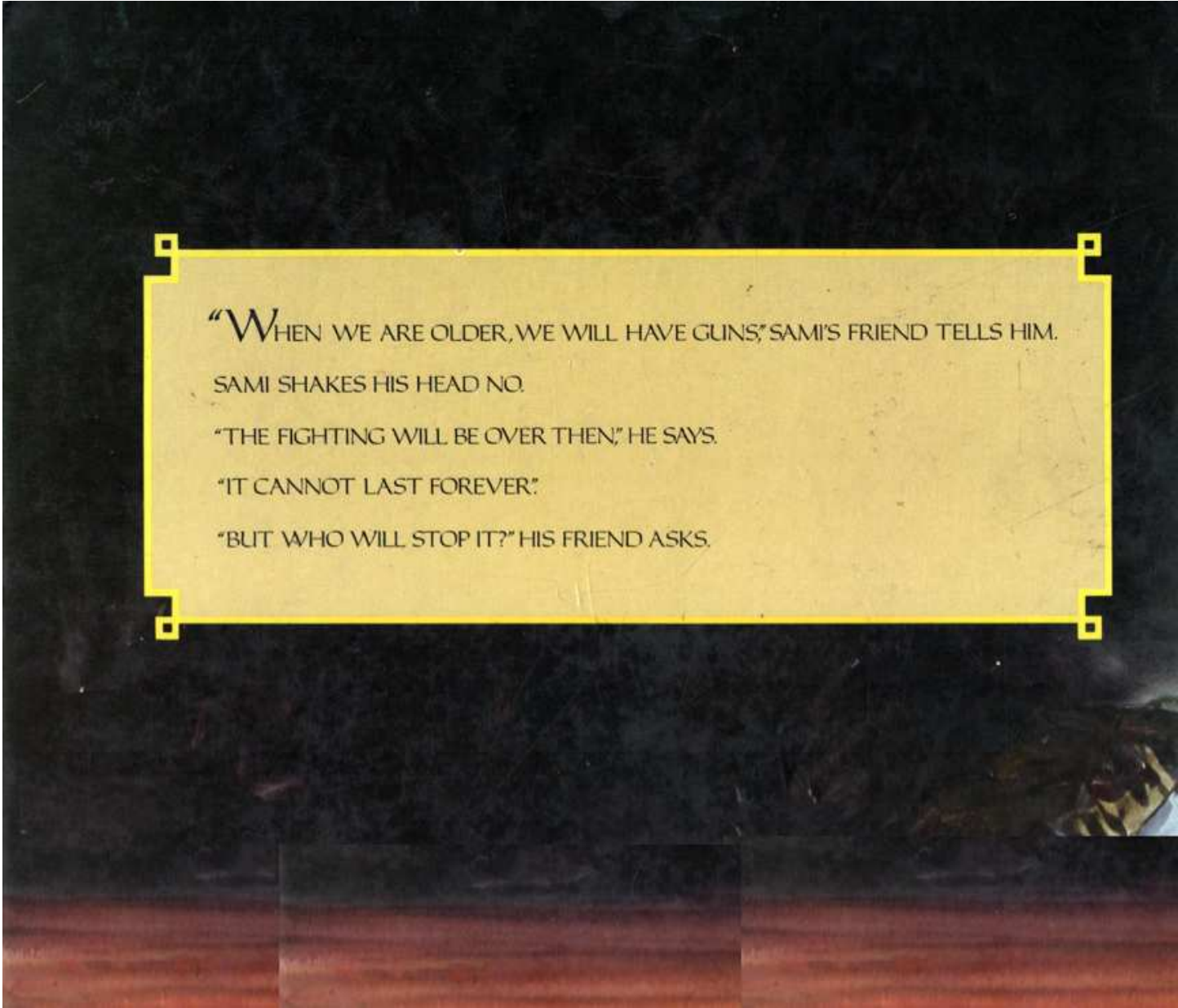
अचानक मुझे समझ में आया वो प्रश्न, जो दादाजी मुझसे लम्बे अरसे से चुपचाप पूछ रहे थे. और अब मुझे उनके सवाल का जवाब भी पता था.

मैं दादाजी की तरफ मुंह करता हूँ और कहता हूँ. "क्या हम किसी और दिन, या किसी और समय सड़कों पर निकले बच्चों के जलूस में शामिल हो सकते हैं?"

यह सुनकर दादाजी ने मेरे कंधे पर अपना हाथ रखा. मुझे लगा कि उन्हें मुझ पर गर्व है.

"हाँ," उन्होंने कहा. "अब वो वक़्त आ चुका है. जो लोग अभी लड़ रहे हैं, वो शायद अब तुम्हारी बात सुनेंगे. शायद इस मर्तबा वो ज़रूर सुनेंगे. हाँ," उन्होंने दुबारा कहा.

एक क्षण बाद ही वो अन्य लोगों के साथ रेडियो पर खबरे सुनने में मशगूल हो गए. और एक दफा मैं फिर से रात के अँधेरे की खौफनाक चीखों का इंतजार करने लगा.



“WHEN WE ARE OLDER, WE WILL HAVE GUNS,” SAMI’S FRIEND TELLS HIM.

SAMI SHAKES HIS HEAD NO.

“THE FIGHTING WILL BE OVER THEN,” HE SAYS.

“IT CANNOT LAST FOREVER.”

“BUT WHO WILL STOP IT?” HIS FRIEND ASKS.

“जब हम बड़े होंगे, तब हमारे हाथों में असली बंदूकें होंगी,” सामी के दोस्त ने उससे कहा.

सामी ने अपना सर हिलाकर “न” में जवाब दिया.

“तब लड़ाई और जंग खत्म हो जाएगी,” उसने कहा.

“लड़ाई हमेशा थोड़ी न चलेगी.”

“पर लड़ाई को बंद कौन करवाएगा?” उसके दोस्त ने पूछा.